卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 89 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦4 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

गंग नहर में गिरी कार दो की मौत

तेज रफ्तार ने छीनी दो युवकों की जिंदगी,सड़क हादसे ने परिवार में मचाया कोहराम

रुड़की (उद संवाददाता)। हरिद्वार जिले के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मोहम्मदपुर झाल के पास तेज रफ्तार से आ रही किया सेल्टोस कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में जा गिरी, जिसमें दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसे का मुख्य कारण वाहन की अधिक रफ्तार और गंगनहर की पटरी पर मौजूद मोड़ बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात पुलिस को सूचना मिली कि मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर झाल के पास एक कार गंगनहर में जा गिरी है। सूचना मिलने के तुरंत बाद मंगलौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि ग्रे रंग की किया सेल्टोस कार पानी में पूरी तरह डूबी हुई थी। पुलिस टीम ने स्थानीय कर्मचारियों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पानी में कार की तलाशी के दौरान दो युवक अचेत अवस्था में मिले। कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया और 108 एम्बुलेंस की मदद से रुड़की सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा (25 वर्ष) पुत्र राजकुमार शर्मा और पुनीत (25 वर्ष) पुत्र आशुतोष निवासी कुराली, थाना जानी, मेरठ के रूप में हुई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को क्रेन की मदद से गंगनहर से बाहर निकाल लिया है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हादसे की सभी पहलुओं पर गहन जांच की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि कार के पंजीकृत स्वामी विवेक शर्मा ने पुलिस को फोन पर जानकारी दी कि दोनों युवक किसी निजी काम से रुड़की आए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण चालक मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे गंगनहर में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। मृतकों के परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने सड़क पर सुरक्षा इंतजाम और तेज रफ्तार वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का काले झंडों से साथ विरोध

कोटद्वार (उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर पूरे उत्तराखंड में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी हैं। विभिन्न स्थानों पर आयोजित धरना-प्रदर्शनों और सभाओं के माध्यम से लोग सरकार को घेरते हुए मामले में शामिल कथित वीआईपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में कोटद्वार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घेराव किया और काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की धर्मपत्नी उर्मिला सनावर द्वारा जारी ऑडियो और सोशल मीडिया पोस्ट में प्रदेश अध्यक्ष का नाम इस हत्या कांड से जुड़े वीआईपी आरोपों में लिया गया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रदेश भाजपा सरकार अपने अध्यक्ष को बचाने के लिए मामले को भटकाने का प्रयास कर रही है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महेंद्र भट्ट की गाड़ियों को रोकने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को भीड़ से सुरक्षित निकालकर उनके गंतव्य की ओर रवाना किया। युवा कांग्रेस नेता अमित राज सिंह ने कहा कि अंकिता (शेष पृष्ठ सात पर)

ताबीज का झांसा देकर दिल्ली की महिला के साथ हरिद्वार में दुष्कर्म

दिल्ली और हरिद्वार दोनों जगह दर्ज मुकदमों के बाद ज्वालापुर पुलिस ने शुरू की जांच

हरिद्वार (उद संवाददाता)। हरिद्वार में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें दिल्ली निवासी एक महिला ने आरोप लगाया है कि एक युवक ने ताबीज दिलाकर उसकी बीमारी दूर करने का झांसा देकर उसे हरिद्वार ले आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसे शराब पिलाकर कई बार उसका शारीरिक शोषण किया और अब उस पर अपने पति को छोड़ने का दबाव बना रहा है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने दिल्ली के सब्जी मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह लंबे समय से बीमार थी। इसी दौरान सोनू सिंह नामक युवक उसके घर आता-जाता था और भरोसा दिलाया कि हरिद्वार में विशेष ताबीज बनवाने से उसकी परेशानी दूर हो जाएगी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 28 नवंबर को आरोपी उसे हरिद्वार ले आया, जिसमें उसकी बुआ की बेटी और सोनू का एक दोस्त भी साथ थे। हरिद्वार पहुंचने के बाद सोनू उसे ज्वालापुर रेलवे स्टेशन स्थित अपने रिश्तेदार के घर ले गया। वहां उसने महिला को शराब पिलाई और नशे की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी शादी का दबाव बनाने लगा। इसके बाद वह कहीं से उसे ताबीज दिलाकर वापस ले गया। महिला ने बताया कि आरोपी घटना के बाद लगातार उसे मानसिक रूप से परेशान कर रहा है और पति को छोड़ने का दबाव डाल रहा है। ऐसा न करने पर पति की जान को भी खतरा बताया जा रहा है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि दिल्ली में दर्ज जीरो एफआईआर के आधार (शेष पृष्ठ सात पर)

अंकिता हत्याकाण्ड की सीबीआई जांच के लिए निकाली जोरदार रैली

विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन के साथ मुख्यमंत्री आवास की ओर किया कूच

देहरादून (उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर राजधानी की सड़कों पर भारी सैलाब देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक संगठनों, विपक्षी राजनीतिक दलों और नागरिक समूहों के लोग मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने के लिए परेड ग्राउंड से विशाल रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने जोर देकर कहा कि उनका यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है, लेकिन इसके माध्यम से सरकार और प्रशासन को यह संदेश देना चाहते हैं कि अंकिता भंडारी केस में अब तक की जांच अपर्याप्त रही है और सीबीआई जांच की आवश्यकता है। संगठनों के प्रतिनिधियों ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अंकिता हत्याकांड में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। ऐसे में केवल स्थानीय जांच से सच्चाई सामने नहीं आ सकती। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को समझते हुए इसे केंद्रीय जांच एजेंसी के पास सौंपना चाहिए। प्रदर्शन की शुरुआत सुबह से ही परेड ग्राउंड से हुई, जहां सैकड़ों लोग बैनर और पोस्टर लेकर इकट्ठा हुए। उन्होंने ष्अंकिता को न्याय दोष और ष्सीबीआई जांच जरूरीष जैसे नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और छात्र भी शामिल रहे। शहर प्रशासन ने इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। पुलिस ने मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग कर रैली के मार्ग को नियंत्रित किया और भीड़ पर नजर रखने के लिए भारी पुलिसबल तैनात किया गया। यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस ने अतिरिक्त वाहन और मोबाइल पिकेट तैनात किए। सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक न्याय नहीं मिलता, तब तक इस तरह के शांतिपूर्ण आंदोलनों का सिलसिला जारी रहेगा। राजधानी में इस रैली ने सुबह से ही सड़कों पर हलचल पैदा कर दी। कई मार्गों पर वाहन और आम लोग जाम के कारण प्रभावित हुए।

कुंभ से पहले निगम क्षेत्र को पवित्र नगरी घोषित कर सकती है सरकार

क्या हरिद्वार ऋषिकेश गंगा घाटों पर गैर हिंदू के प्रवेश वर्जित के बायलॉज का होगा विस्तार ?

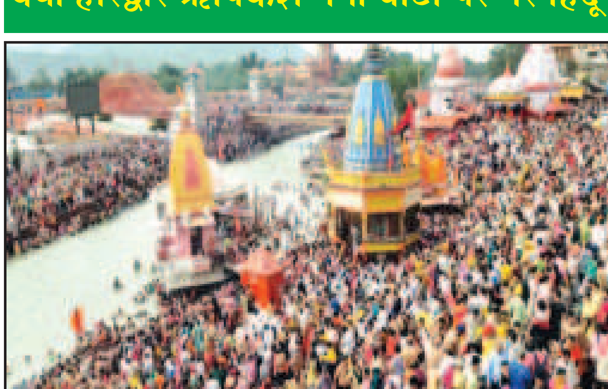

हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार, ऋषिकेश के बायलॉज के अनुसार हर की पैड़ी सहित कुछ घाटों पर गैर हिंदू का प्रवेश वर्जित है। सूत्रों के मुताबिक अब इस बायलॉज को हरिद्वार के 105 घाटों पर लागू किए जाने पर धामी सरकार विचार कर सकती है साथ ही इसे ऋषिकेश सहित संपूर्ण कुंभ क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार आगामी कुंभ से पहले इस प्रस्ताव पर विचार मंथन का दौर चल रहा और धामी सरकार गंगा नगरी को ष्सनातन पवित्र नगरीष घोषित कर सकती है। गंगा तीर्थ नगरी हरिद्वार और ऋषिकेश को लेकर संपूर्ण सनातन धर्म में श्रद्धा - आस्था है। जानकारी के मुताबिक भारत रत्न प. मदन मोहन मालवीय ने एक बड़े जनांदोलन के बाद ब्रिटिश हुकूमत के साथ 1916 में हरिद्वार ऋषिकेश के संदर्भ में एक समझौता किया था और उस समझौते के अनुसार गंगा की धारा को अविरल बहने के साथ साथ हरिद्वार ऋषिकेश नगरी की पवित्रता बनाए रखने के लिए कुछ नियम बनाए गए थे, जिन्हें बाद में नगर पालिका की नियमावली में शामिल किया गया था। इन नियमों में एक नियम ये भी था कि हर की पैड़ी सहित गंगा के घाटों में गैर हिंदू का प्रवेश वर्जित किया गया था। इस नियम का पालन आज भी किया जाता रहा है। हर की पैड़ी की श्री गंगा सभा इस नियम का सख्ती से पालन करवाती है। बताया जाता है कि एक नियम ये भी था कि हरिद्वार ऋषिकेश में कोई गैर हिंदू के रात्रि प्रवास नहीं कर सकता, गैर हिंदू ,पालिका क्षेत्र में आयेगा और काम करके वापिस चला जाएगा। दरअसल इसके नियम के पीछे मकसद ये था कि इन दोनों तीर्थ नगरियों में गैर हिंदुओं के बसने की इजाजत नहीं दी गई। समय के बदलाव के साथ साथ ऐसे नियम ठंडे बस्ते में चले गए या फिर सेकुलर सरकारों द्वारा संशोधन कर बदल दिए गए। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में तीर्थ पुरोहित, पंडा समाज और हिन्दू धर्मशालाएं, अखाड़े, मठ,आश्रम हुआ करते थे आज भी ये विद्यमान है। जहां गैर हिंदुओं के प्रवेश अथवा रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं है। मुख्यत: ये सभी स्थान पावन गंगा के घाटों के एक किमी के दायरे में ही है। जानकारी के मुताबिक करीब सौ साल पहले जब ये नियम बने तब हरिद्वार ऋषिकेश पालिका क्षेत्र परिधि में कुछ ही पक्के घाट थे, चूंकि अब निगम क्षेत्र का दायरा बढ़ गया है इसलिए पालिका के पुराने बायलॉज भी विस्तार पा चुके है। पिछले दिनों कुंभ क्षेत्र में गंगा घाटों की गणना और सर्वे का काम मेला प्राधिकरण द्वारा किया गया तो पाया गया कि 105 घाटों की संख्या सामने आई। इन घाटों का कुंभ की दृष्टि से हरित प्रक्रिया से पुनर्निर्माण का काम किया जाना है। सनातन संगठन,अखाड़ा परिषद, संत समाज, श्री गंगा सभा ये मांग करती आई है कि गंगा तीर्थ नगरी हरिद्वार और ऋषिकेश के नगर निगम क्षेत्र को पवित्र तीर्थ नगरी घोषित किया जाए और यहां पर गैर हिंदुओं के रात्रि प्रवास पर और सभी गंगा घाटों पर जाना प्रतिबंधित रहे साथ ही मांस मदिरा की बिक्री पर भी रोक लगे। जानकारी (शेष पृष्ठ सात पर)

आस्था का कुंभ है नजदीक

हरिद्वार ऐसी पावन तीर्थ नगरी है जहां हर साल करीब 4 करोड़ के करीब तीर्थ यात्री आते है, सनातन धर्म में गंगा को ष्मैय्याष कह कर आस्था व्यक्त की गई है। 2027 में कुंभ (अर्ध कुंभ)होने जा रहा है साथ ही सावन के माह में करोड़ों शिव भक्त कांवड़ियों के यहां हर साल आना होता है, गंगा के प्रति गहन आस्था का ये वर्ष रहने वाला है। केंद्र और राज्य सरकार हरिद्वार ऋषिकेश कॉरिडोर निर्माण के लिए काम शुरू कर चुकी है। करोड़ो तीर्थ यात्रियों के आवागमन के भार को पावन गंगा नगरी सहन कर ले इस दिशा में योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ऐसे में ऋषिकेश और हरिद्वार को पवित्र नगरी घोषित करके धामी सरकार,सनातन धर्म के प्रति सेवा संकल्प को सिद्धि तक पहुंचा सकती है।

216 कैम्पों में 1.44 लाख से अधिक लोगों को मिला सीधा लाभ

सरकार पहुँची जनता के द्वार, 18,360 शिकायतों में 13,068 का निस्तारण, सीएम धामी के निर्देशों से बदली प्रशासन की कार्यसंस्कृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम प्रदेश में सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और त्वरित समाधान का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया है। आज 03 जनवरी 2026 की दैनिक प्रगति रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि सरकार योजनाओं और सेवाओं को कागजों से निकालकर सीधे जनता के द्वार तक पहुँचाने में निरंतर सफलता प्राप्त कर रही है। प्रदेश के 13 जनपदों में अब तक कुल 216 जनसेवा कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1,44,134 नागरिकों ने प्रत्यक्ष सहभागिता की है। केवल आज के दिन ही 12 कैम्पों में 8,940 लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि जनता का विश्वास इस कार्यक्रम के प्रति लगातार बढ़ रहा है। इन कैम्पों के माध्यम से ग्रामीण, पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को पहली बार एक ही मंच पर अपनी समस्याओं के समाधान और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। कार्यक्रम के दौरान अब तक कुल 18,360 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 13,068 मामलों का मौके पर अथवा त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से निस्तारण किया जा चुका है। केवल आज के दिन 613 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 292 मामलों का समाधान तुरंत किया गया। यह आंकड़े प्रशासन की निर्णय क्षमता, जवाबदेही और समाधान-केंद्रित कार्यशैली को दर्शाते हैं। शेष प्रकरणों को भी समयबद्ध कार्ययोजना के तहत संबंधित विभागों को प्रेषित कर निरंतर मॉनिटरिंग में रखा गया है। इसी क्रम में आय, जाति, निवास, सामाजिक श्रेणी सहित विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों के लिए अब तक कुल 24,081 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 1,808

आवेदन आज दर्ज किए गए। इससे स्पष्ट है कि आम नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के लिए अब अनावश्यक देरी और कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा सेवाओं को नागरिकों के निकट लाने की यह पहल विशेष रूप से गरीब, वंचित और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत अब तक 80,712 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा चुका है, जिनमें 3,509 लाभार्थी आज शामिल हुए। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार की योजनाएँ अब केवल घोषणाओं तक सीमित न रहकर पात्र लाभार्थियों तक वास्तविक रूप से पहुँच रही हैं। सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर उपलब्ध कराकर सरकार ने जनसुविधा और पारदर्शिता दोनों को मजबूत किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम उत्तराखण्ड में शासन की सोच को बदलने वाला अभियान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य है कि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं जनता के बीच जाकर समाधान सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिक स्तर पर निस्तारण हो, निर्णय लेने में सक्षम अधिकारी कैम्पों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, कमजोर वर्गों, दिव्यांगों, बुजुर्गों और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए तथा लंबित मामलों की जिला और राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यापक जनसंपर्क अभियान से न केवल प्रशासन पर जनता का विश्वास मजबूत हुआ है, बल्कि बिचौलियों और भ्रष्टाचार पर भी प्रभावी अंकुश लगा है। सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित होने से त्वरित समाधान की संस्कृति विकसित हुई है और शासन की पारदर्शिता व विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम आज उत्तराखण्ड में सुशासन की नई पहचान बन चुका है और आने वाले समय में यह राज्य के समावेशी विकास और जनकल्याण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

अंकिता हत्याकांड में साजिश और राजनीति कर रही है कांग्रेस: चंदौला

रूद्रपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखण्ड आयुष परिषद के अध्यक्ष डा. के.सी. चंदौला ने उत्तराखण्ड के बहुचर्चित अंकिता कांड को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद और संवेदनशील मामला है, जिसमें सरकार ने शुरू से ही त्वरित, निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई कर यह

स्पष्ट कर दिया कि अपराधी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।डा. चंदौला ने कहा कि घटना के सामने आते ही धामी सरकार ने बिना किसी दबाव के आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। मामले की जांच निष्पक्ष एजेंसियों को सौंपी गई और प्रशासन ने कानून के तहत कार्रवाई करते हुए यह संदेश दिया कि उत्तराखण्ड में अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पीड़िता को न्याय दिलाना है, न कि इस दुखद घटना को राजनीतिक हथियार बनाना।डा. चंदौला ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस इस संवेदनशील मामले में भी राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह बेबुनियाद और तथ्यहीन हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता को गुमराह करने के लिए आंदोलन का सहारा ले रही है, जबकि सच्चाई यह है कि धामी सरकार ने हर स्तर पर पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ काम किया है।डा. चंदौला ने कहा कि कांग्रेस को चाहिए कि वह इस मामले में भ्रम फैलाने के बजाय न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा करे। पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और किसी भी दोषी को बचाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाना और कानून व्यवस्था को चुनौती देना दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने यह साबित किया है कि वह जनता की भावनाओं को समझती है और पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। धामी सरकार ने त्वरित निर्णय लेकर न केवल जांच प्रक्रिया को मजबूत किया, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी ठोस कदम उठाए हैं।डा. चंदौला ने अंत में कहा कि जनता को कांग्रेस के झूठे प्रचार से सावधान रहने की जरूरत है और धामी सरकार पर भरोसा रखना चाहिए, जो कानून के दायरे में रहकर न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

डीएम ने की आपदा निधि और खनन न्यास निधि की समीक्षा

अनियमितताओं पर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी, जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। शनिवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में राज्य आपदा मोचक निधि, गैर आपदा मोचक निधि, आपदा न्यूनीकरण निधि, अनटाइड फंड और खनिज न्यास निधि से विभिन्न विभागों को आवंटित धनराशि की विभागवार समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा निर्माण और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए विभागों को पिछली और वर्तमान वित्तीय वर्ष में धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन कुछ विभागों ने छोटे कार्य होने के बावजूद भी उन्हें पूरा नहीं किया और उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिया। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी 15 जनवरी तक जिन विभागों द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत किया गया, उनकी आगे की धनराशि बंद कर दी जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आपदा निधि से मिलने वाली धनराशि तत्काल निर्माण, पुनर्निर्माण और राहत कार्यों के लिए है। विभागों द्वारा आपदा कार्यों को प्राथमिकता न देना गंभीर लापरवाही है और इसे भविष्य में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रस्ताव उप जिला अधिकारी के

माध्यम से सीधे जिला मुख्यालय में प्रस्तुत किए जाएँ और किसी अन्य माध्यम का प्रयोग न किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा निधि से किए गए सभी कार्यों के फोटोग्राफ सहित थर्ड पार्टी सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और शीघ्र उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए। कार्यदाई संस्थाओं को निर्देश दिए गए कि वे आपदा मानकों और स्वीकृत प्रस्तावों के अनुसार कार्य करें और किसी भी प्रकार की डुप्लीकेसी न हो। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्रों में आपदा निधि से हो रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण अवश्य करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्यदाई संस्था सही तरीके से कार्य नहीं कर रही है तो उसे तुरंत बदल दिया जाए। ठंड बढ़ने को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तहसील क्षेत्रों में सभी सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों का निरीक्षण कर प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाएँ और जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराएँ। उन्होंने खनन न्यास निधि के अंतर्गत लगभग 25 करोड़ रुपये की विभागवार धनराशि का भी समीक्षा किया। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बाल विकास, प्रदूषण नियंत्रण, सड़क, संरचना, सिंचाई, नलकूप और कृषि भूमि सुधार के कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि निधि का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना विभागों की जिम्मेदारी है और यह धनराशि खनन प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए है। बैठक में अपर जिला अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, सभी उपजिलाधिकारी, कार्यदाई संस्थाओं और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर निगम, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर)

e-mail:nagarnigamrudrapur@gmail.com visit: www.nagarnigamrudrapur.com
(दूरभाष-05944-242400

''अल्पकालीन निविदा सूचना''

नगर निगम रूद्रपुर में वर्ष 2025-26 में सिविल निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों को सूचित किया जाता है कि वार्ड नं 29 में रूद्रा कॉन्टिनेंटल के सामने स्थित सुभाष चौक में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मूर्ति स्थापना कार्य हेतु दिनांक 29.11.2025 का विभिन्न निर्माण कार्यों के अन्तर्गत निविदा आमंत्रित की गई थी परन्तु उक्त कार्य हेतु कोई निविदा प्राप्त न होने के कारण पुनः दिनांक 15.01.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे तक सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें तद्दिनांक को ही अपरान्ह 03:00 बजे से निविदा समिति या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। इच्छुक ठेकेदार / फर्म निर्धारित दिनांक एवं समय तक अपनी-अपनी सीलबन्द निविदायें कार्यालय नगर निगम, रूद्रपुर में निविदा पेटी में डाल सकते हैं। निविदा प्रपत्र नगर निगम कार्यालय निर्माण अनुभाग के कक्ष संख्या 23 से दिनांक 05.01.2026 से दिनांक 13.01.2026 तक (राजकीय अवकाश दिवस को छोड़कर) कार्यालय कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक निविदा शुल्क जमा कर क्रय कर सकते हैं। अपरिहार्य कारणों से निविदा खोलने की तिथि व समय में अधोहस्ताक्षरी द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है। निविदा की समस्त जानकारी एवं शर्तें नगर निगम रूद्रपुर की वेबसाईट www.nagarnigamrudrapur.com से तथा विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम, रूद्रपुर से प्राप्त की जा सकती है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, रूद्रपुर
ऊधम सिंह नगर

महापौर
नगर निगम, रूद्रपुर
ऊधम सिंह नगर

पत्रांक-2570/सा0नि0 अनु0/नि0/सू0/ 2025-26 दिनांक-03.01.2026

सेवानिवृत्त कर्मियों की मांगों पर सरकार संवेदनशील, शीघ्र होगा निर्णय: धामी

देहरादून (उद संवाददाता)।राज्य के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पेंशनरों से जुड़ी समस्याओं के समाधान का अनुरोध किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने पूरी संवेदनशीलता के साथ समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया ।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सेवानिवृत्त कार्मिकों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक राज्य की धरोहर हैं और उनकी बेहतरी के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने 30 जून और 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को नोशनल वेतन वृद्धि दिए जाने की मांग पर शीघ्र उचित निर्णय लेने का भरोसा दिलाया और इस संबंध में कार्मिक सचिव को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय

समिति के मुख्य संयोजक सुमन सिंह वाल्दिया के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल ने जनवरी 2006 से नोशनल वेतन वृद्धि का लाभ दिए जाने, पेंशन राशिकरण की कटौती समाप्त करने, हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर पेंशन में बढ़ोतरी तथा गोल्डन कार्ड से जुड़ी समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल में समिति के संयोजक सचिव नवीन नैथानी, हरीश चन्द्र नौटियाल, आर.पी. पंत सहित अन्य पदाधिकारी भी शामिल रहे।समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री द्वारा उनकी मांगों पर दिखाई गई संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार स्तर पर संवाद की यह पहल सराहनीय है, जिससे प्रदेश के समस्त बुजुर्ग पेंशनरों के बीच एक सकारात्मक और उत्साहजनक संदेश गया है।

जोतीबा फुले-सावित्रीबाई फुले सायंकालीन स्कूल की रखी नींव

दो हजार बच्चों को मिलेगी नि:शुल्क शिक्षा

रामनगर (उद संवाददाता)। रामनगर के सांवल्दे पश्चिम क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत हुई है। रचनात्मक शिक्षक मंडल की ओर से जोतीबा फुले- सावित्रीबाई फुले सायंकालीन स्कूल की विधिवत नींव उत्तराखंड शिक्षा परिषद के सचिव वी. पी. सिमल्टी ने रखी। इस स्कूल के माध्यम से क्षेत्र के 2000 से अधिक बच्चों को नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। नींव कार्यक्रम के दौरान सचिव वी.पी. सिमल्टी ने रचनात्मक शिक्षक मंडल की इस पहल की सराहना की और कहा कि सरकारी शिक्षकों द्वारा समाज के लिए किया जा रहा यह प्रयास अनुकरणीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सायंकालीन स्कूल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के शैक्षिक और सामाजिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। रचनात्मक शिक्षक मंडल के संयोजक नवेंदु मठपाल ने बताया कि सांवल्दे क्षेत्र के लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले दो हजार से अधिक बच्चों को इस शैक्षिक अभियान से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल प्रारंभिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि माध्यमिक और उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों को भी इससे जोड़ा जाएगा। सायंकालीन स्कूल में स्कूली पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, रोजगारपरक पाठ्यक्रम, कंप्यूटर शिक्षा और बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। नवेंदु मठपाल ने बताया कि यह पूरा अभियान जनसहयोग से संचालित होगा, जिसमें शिक्षक, अभिभावक और समाज के प्रबुद्ध लोग सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सांवल्दे में स्थापित इस स्कूल परिसर का नाम प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी हरिदत्त मठपाल और अंबादत्त बेलवाल के नाम पर रखा गया है। भविष्य में स्कूल परिसर के भीतर साहित्य अकादमी से सम्मानित वरिष्ठ कुमाउनी साहित्यकार मथुरादत्त मठपाल की स्मृति में उत्तराखंडी साहित्य और संस्कृति का एक विशेष केंद्र भी स्थापित किया जाएगा।

जगदीश गुंबर की आंखों से दो लोगों के जीवन में होगा उजाला

गदरपुर।सद्गति के बाद भी किसी के जीवन में उजाला फैलाना कितनी बड़ी प्रेरणा हो सकती है, इसका जीवंत उदाहरण पेश किया सरदारनगर, गदरपुर निवासी जगदीश चंद्र गुंबर के परिवार ने। उनके देहावसान के पश्चात उनके पुत्र

प्रवीण गुंबर (बंटी) और रवि गुंबर ने नेत्रदान के लिए सहमति प्रदान कर समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।सोचो डिफरेंट संस्था के संदीप चावला और विकास भुसरी के अनुरोध पर तथा परिवार के सहयोग से यह नेत्रदान प्रक्रिया महाराजा अग्रसेन ग्लोबल चौरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन एस. के. मित्तल की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर सी. आर. मित्तल नेत्रदान केंद्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. एल. एम. उप्रेती और आई टेक्नीशियन मनीष रावत ने पूरी प्रक्रिया का सफल संचालन किया।परिवार और संस्था के सदस्यों ने इस कार्य को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणा कहा। ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और सोचो डिफरेंट, भारत विकास परिषद एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के योगदान की सराहना की।इस नेत्रदान के माध्यम से जगदीश चंद्र गुंबर की आंखें अब दो लोगों के जीवन में रोशनी भरेंगी, जो अंधेपन से जूझ रहे थे। यह घटना केवल एक चिकित्सा दान नहीं, बल्कि मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और प्रेरक उदाहरण का प्रतीक बन गई है।विशेषज्ञों का कहना है कि नेत्रदान जैसे कार्य समाज में जागरूकता बढ़ाते हैं और लोगों को अपने प्रियजनों के निधन के पश्चात भी दूसरों के जीवन में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं।

राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण को चलाया अभियान

हल्द्वानी । जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक शनिवार को राजस्व प्रवर्तन टीम के माध्यम से कार्यवाही किए जाने के आदेशों के अनुपालन में हल्द्वानी परगना क्षेत्र में राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान राजस्व प्रवर्तन समिति द्वारा कुल 20 विभिन्न राजस्व प्रकरणों/शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिनमें मार्ग/रास्ता विवाद के 03 प्रकरण, भूमि सीमांकन के 04 प्रकरण, आपसी भूमि सीमा विवाद के 03 प्रकरण तथा राजस्व अभिलेख सुधार के 10 प्रकरण सम्मिलित हैं। संबंधित प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा नियमानुसार अवैध सीमाओं /बाउंड्री को हटाया गया। अभियान के अंतर्गत राजस्व ग्राम चांदनी चौक, घुड़दौड़ा में सरकारी गूल से संबंधित विवाद के संबंध में मौके पर जाकर सरकारी गूल का सीमांकन किया गया तथा सिंचाई विभाग को स्थल पर ही गूल को खोलने/ पुर्न स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में राजस्व ग्राम हैड़ागांजा में सरकारी गूल के ऊपर लगाए गए अवैध पिलरों को मौके पर ही हटवाया गया तथा संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न करने के सख्त निर्देश दिए गए। यह कार्यवाही उप जिलाधिकारी राहुल शाह के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। अभियान के दौरान तहसीलदार कुलदीप पाण्डेय, कानूनगो ब्रजेश कुमार, सिंचाई विभाग के कार्मिक तथा राजस्व विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे। उक्त अभियान का उद्देश्य जन शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण, राजस्व अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करना तथा सरकारी भूमि/ सार्वजनिक संसाधनों पर अवैध कब्जों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना रहा।

शिवसैनिकों ने किया नगर कीर्तन का स्वागत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। हिंदू धर्मरक्षक श्री गुरु गोविंद सिंह जी की 359 वीं जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हुए शनिवार को में विशाल नगर कीर्तन निडरता ओर धर्म रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने अपना जीवन धर्म, समाज ओर मानवता के लिए समर्पित किया। उनका जीवन हमें निडरता, मंडल सचिव पदम पाल, प्रमोद आर्या, पुरुषोत्तम सिंह बिट्टू, पुरन सागर, मनोज गुप्ता, अभिषेक कश्यप, मुकेश बिष्ट, प्रदीप पाठक, अक्षय मौर्य, राजू गुप्ता, सूरज

का आयोजन हुआ। शिव सेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर के नेतृत्व में मीरा मार्ग चौराहे पर पुष्प वर्षा कर नगर कीर्तन का शिव सैनिकों ने स्वागत किया। शिव सेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर ने कहा कि गुरु श्री गोविंद सिंह जी साहस, साहस, धर्म रक्षा और मानव सेवा के लिए प्रेरित करता है। हम उन्हें सत् सत् नमन करते है। वह हमारे प्रेरणा स्रोत हैस स्वागत करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, जिला अध्यक्ष त्रिलोक सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, कुमाऊ जोली, करन कश्यप, करन जायसवाल, सुशील गुप्ता, सुनील गुप्ता, अखिलेश पाल, सचिन नागर, जीतू देवल, आयुष नागर, खुशी नागर, मोनू सिंह, गुरविंदर सिंह आहूजा, विपिन पाल, योगी शर्मा, भूवन शर्मा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

नरेश हुड़िया बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री

गदरपुर (उद संवाददाता)।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा पार्टी संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। इसी क्रम में गदरपुर के सक्रिय किसान

नेता नरेश हुड़िया को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया है।नरेश हुड़िया की नियुक्ति की घोषणा होते ही गदरपुर सहित पूरे जनपद में भाजपा कार्यकर्ताओं और किसान मोर्चा के पदाधिकारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री नरेश हुड़िया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा के माध्यम से किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना, केंद्र व राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि नरेश हुड़िया लंबे समय से किसान हितों के लिए सक्रिय रहे हैं और उनके संगठनात्मक अनुभव का लाभ पार्टी को निश्चित रूप से मिलेगा। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में किसान मोर्चा को नई ऊर्जा मिलेगी।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभव:-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, नि:सन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

ठण्ड से राहत के लिए सैकड़ों श्रमिकों को बांटे कम्बल

हल्द्वानी। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रायल द्वारा जनपद में खनन गतिविधियों में कार्यरत श्रमिकों के ऋतु के दौरान खनन कार्यों में लगे श्रमिकों को राहत प्रदान करना रहा।कार्यक्रम के दौरान लालकुआं विध उपस्थिति में खनन कार्यों में संलग्न 600 से अधिक श्रमिकों को ठंड से बचाव के लिए कंबलों का वितरण किया गया। आर्थिक कल्याण के लिए शासन और जिलाप्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में

कल्याण हेतु स्वीकृत निधि के अनुपालन में गोरा पड़ाव खनन गेट पर एक कल्याण कारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शीत ायक मोहन सिंह बिष्ट, उप जिलाधिकारी हल्द्वानी राहुल शाह, डीएलएम वन निगम हल्द्वानी धीरेश बिष्ट तथा जिला खनन अधिकारी नवीन सिंह की कंबल पाकर श्रमिकों के चेहरों पर संतोष और राहत देखने को मिली। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के सामाजिक और कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा, सुविधा और कल्याण प्रशासन की प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखा जाएगा।कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन ने यह संदेश दिया कि कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाले श्रमिकों के हितों की रक्षा और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना सरकार और प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भानु प्रताप स्कूल ने खेल जीते स्वर्ण और कांस्य पदक

रुद्रपुर (उद संवादाता)।भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के छात्रों ने रुद्रपुर पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित उत्तराखंड खेल महाकुंभ 2025-26 में शानदार प्रदर्शन कर स्कूल का मान बढ़ाया। अंडर-14 और अंडर-19 श्रेणियों में छात्रों ने शॉट पुट और पारंपरिक खेलों में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर खेल के क्षेत्र में अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। अंडर-14 श्रेणी में कक्षा 8 की पलक चंद्रा ने शॉट पुट में पहला स्थान हासिल किया। अंडर-19 श्रेणी में कक्षा 9 की नेत्रा सिंह ने शॉट पुट में स्वर्ण और पारंपरिक खेल मुर्गा झपट में कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता दर्ज की। इसी तरह, कक्षा 9 की अवनी भाटी और प्राची ने शॉट पुट में पहला स्थान

हासिल किया।इन उपलब्धियों के चलते सभी विजेताओं को संसद स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए चुना गया है। स्कूल प्रबंधन, खेल शिक्षक और स्टाफ ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की।भानु प्रताप पब्लिक स्कूल में खेलों और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का यह प्रदर्शन एक उत्सव जैसा माहौल तैयार करता है और उम्मीद जताई जाती है कि छात्र संसद स्तर पर भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और स्कूल, जिले तथा राज्य का नाम रोशन करेंगे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

जनता मिलन कार्यक्रम में कमिश्नर ने गंभीर मामलों पर की त्वरित कार्यवाही

भूमि विवाद, धोखाधड़ी, अवैध निर्माण और पेयजल जैसी समस्याओं का मौके पर समाधान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जनता की समस्याओं में भूमि विवाद, धोखाधड़ी से धनराशि हड़पने, अवैध निर्माण, ई-रिक्शा फिटनेस, पारिवारिक विवाद, सड़क मरम्मत, पेयजल आदि जैसे गम्भीर मामलों पर त्वरित कार्यवाही की। शनिवार को हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आयुक्त कुमाऊँ मंडल ने जनता द्वारा रखे गए विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया। जनसुनवाई में नैनीताल शहर में वर्तमान मे 24 ई-रिक्शा संचालित है लेकिन ई-रिक्शा का मैनुवल फिटनेस नही होने से ई-रिक्शा संचालकों ने मैनुवल फिटनेस कराने का अनुरोध किया। जिस पर आयुक्त ने आरटीओ को मुख्यालय से पत्राचार कर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिये। मदन सिंह जनपद अल्मोडा, लमगड़ा ने बताया कि उन्होंने महेन्द्रा कम्पनी से लोन लेकर वाहन लिया था लेकिन लोन कि किस्त समय से जमा नही करने पर कम्पनी द्वारा वाहन उठा लिया गया और कुछ समय बाद कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को वाहन विक्रय कर दिया गया, उक्त व्यक्ति द्वारा वाहन अपने नाम ट्रांसफर नहीं कराने के कारण अभी भी वाहन उनके नाम पर ही संचालित है, जो भी चालान वाहन के होते हैं वह सभी उनके नाम आ रहे हैं। जिस पर आयुक्त ने महिन्द्रा कम्पनी के अधिकारियों को तलब कर शीघ्र समस्या का समाधान करने के निर्देश दिये। मुकुल ऐरी ग्राम क्वैराला ने गांव के तोक बाखली में पानी की आपूर्ति न होने से लोगों को 700 मीटर दूर गधेरे से पानी ढोना पड रहा है वर्तमान में तोक में सात परिवार निवासरत हैं। आयुक्त ने इस सम्बन्ध में नोडल अधिकारी जेजेएम को उक्त की जांच कर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिये।ब्लाक प्रमुख केडी रूबाली ने विकास खण्ड ओखलकांडा की समस्याओं के बारे में अवगत कराया, जिसके अन्तर्गत हरीशताल लोहा खामताल क्षेत्र के पर्यटन से जोडने एवं सेलाखेत नालशन,सुनकोट, काफली, बजवालगांव, कुकना तक 37 किमी मोटर मार्ग का मररम्त कराने का अनुरोध किया। आयुक्त ने कहा कि शीघ्र ही मोटर मार्ग का उनके द्वारा निरीक्षण किया जायेगा विभागीय लापरवाही होने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। आयुक्त ने कुमाऊ में सभी जनपदों में जंगली जानवरों द्वारा लोगों पर काफी मात्रा में हमला होने पर गम्भीरता से लेते हुये वन विभाग को निर्देश दिये कि प्रोएक्टिव होकर कार्य करें तथा पीड़ित लोगों को तत्काल मुआवजा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि वन भूमि से लगे गांव जो नाप भूमि पर हैं, उन लोगों के हक-हकूब वहां की जमीन में है लकडी व चारे लोगों को मिल जाए, इसकी समुचित व्यवस्था हो। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में जंगली जानवर सक्रिय हैं, उन क्षेत्रों में गश्त बढाई जाए। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि जंगल में कम से कम जाएं जाते भी हैं तो सामुहिक रूप में वन विभाग के संज्ञान में लाते हुए बडे जांए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए ताकि इस प्रकार की घटनायें रोकी जा सकें।इस दौरान भूमि से संबंधित विवाद अधिक संख्या में प्राप्त होने पर कुमाऊँ आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि भूमि खरीद में जल्दबाजी न करें और संपूर्ण दस्तावेजी सत्यापन के बाद ही लेनदेन करें, ताकि स्वयं को आर्थिक नुकसान एवं कानूनी जटिलताओं से बचा सकें।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का हो त्वरित निस्तारण:डीएम

डीएम ने की लंबित मामलों की समीक्षा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने शनिवार को हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित शिकायतों की समीक्षा की और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय में होना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का समाधान केवल प्रक्रिया पूरी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक शिकायतकर्ता से वार्ता कर उनका संतोष सुनिश्चित करना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इससे आम जनता को शीघ्र राहत मिलेगी और शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा।बैठक में विशेष रूप से विद्युत, लोक निर्माण विभाग, पेयजल निगम, जल संस्थान, नगर निगम, विकास प्राधिकरण, ग्राम्य विकास, राजस्व, पुलिस, शिक्षा, पंचायती राज, खाद्य नागरिक आपूर्ति, श्रम, पर्यटन और सहकारिता विभागों में लंबित आवेदनों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने इन विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का तत्काल संज्ञान लिया जाए और उसका त्वरित निस्तारण किया जाए।राजस्व विभाग की शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि हर दिन लंबित शिकायतों का निस्तारण करें और स्वयं भी शिकायतकर्ताओं से वार्ता करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट न हो, तब तक शिकायत को निस्तारित नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने एसडीएम को नगर निकायों में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा कर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी, सभी उपजिलाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस: विकास

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर महापौर की तीखी प्रतिक्रिया

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। महापौर विकास शर्मा ने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शनों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस इस समय अंकिता को न्याय दिलाने की नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन और अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस का यह आंदोलन पीड़ित परिवार के हित में नहीं, बल्कि अपनी डूबती सियासत को बचाने का प्रयास है।शनिवार को कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक संवेदनशील और हृदयविदारक घटना को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता धरना-प्रदर्शन के माध्यम से न्याय की लड़ाई नहीं, बल्कि आपसी शक्ति प्रदर्शन और अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।महापौर ने कहा कि लगभग तीन वर्ष पूर्व अंकिता भंडारी के साथ जो दर्दनाक घटना घटी, उस पर धामी सरकार ने गंभीरता से संज्ञान लिया और बिना किसी दबाव के सख्त कार्रवाई की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं पीड़ित परिवार के संपर्क में रहे और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए जांच प्रक्रिया में आवश्यक परिवर्तन भी किए गए। सरकार की पारदर्शी कार्यशैली के चलते यह मामला न्यायालय तक पहुंचा, जहां साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर दोषियों को सजा दी गई और वे आज सलाखों के पीछे हैं।उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्णय के बाद भी कांग्रेस द्वारा इस मामले को बार-बार उछालना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह न्यायपालिका का भी अप्रत्यक्ष रूप से अपमान है। अगर कांग्रेस के पास इस प्रकरण से जुड़े कोई ठोस सबूत थे, तो उन्हें जांच के दौरान संबंधित एजेंसियों या सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए था। अब विरोध प्रदर्शन कर जनता को भ्रमित करना अनुचित है।महापौर विकास शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की संवेदनशील घटनाओं पर राजनीति करना निंदनीय है। आज भी यदि किसी के पास कोई नया तथ्य या प्रमाण है, तो उसे संवैधानिक और कानूनी माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए, न कि सड़कों पर अराजकता फैलाकर। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार पूरी मजबूती और ईमानदारी से कार्य कर रही है। सरकार की जनहितकारी नीतियों और निर्णायक नेतृत्व के कारण कांग्रेस लगातार राजनीतिक हाशिये पर जा रही है। हर चुनाव में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ रहा है और मुद्दाविहीन हो चुकी कांग्रेस अब बेबुनियाद आरोपों के सहारे खुद को जीवित रखने की कोशिश कर रही है। महापौर ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार न केवल पहले अंकिता के परिवार के साथ खड़ी थी, बल्कि आगे भी हर स्तर पर न्याय और कानून के पक्ष में मजबूती से खड़ी रहेगी।

हथियार के साथ फोटो वायरल करना महंगा पड़ा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। महिला के एक हाथ में सिगरेट और दूसरे में पोनिया बंदूक थमाकर फोटो वायरल करना युवक को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हुई थी जिसमें महिला के एक हाथ में सिगरेट और दूसरे हाथ में पोनिया बंदूक थी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने फोटो वायरल होने के बाद जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने महिला की पहचान कर उससे पूछताछ की। उसने बताया कि पोनिया बंदूक मूलरूप से ग्राम लक्खा, शीशगढ़, बरेली और हाल आवास विकास निवासी अनिल शर्मा की है। अनिल ने ही पोनिया बंदूक के साथ उसकी फोटो लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस ने अनिल शर्मा को पोनिया बंदूक और एक कारतूस के साथ एफएसएल रोड से गिरफ्तार कर लिया है।सीओ प्रशांत कुमार ने बताया महिला का पुलिस एक्ट में चालान किया गया है।

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: सीडीओ

मुख्य विकास अधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

रूद्रपुर ।मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने विकास भवन सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी खंड विकास अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विधायक और सांसद स्तर से योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित कार्यदायी संस्थाओं से निधारित अवधि में आगणन तैयार कराते हुए सभी औपचारिकताएं पूर्ण की जाएं और समय से कार्य प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की स्वयं मौके पर जाकर जांच की जाएगी। उन्होंने एमबीएडीपी और मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के अंतर्गत स्थापित इकाइयों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि मशीनों की स्थापना कर संचालन की प्रक्रिया भी तत्काल प्रारंभ की जाए। साथ ही समस्त प्रस्तावित योजनाओं में भूमि की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री जनमन योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बाजपुर के 14 और गदरपुर के 6 अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा तीसरी किस्त के प्रस्ताव जनपद मुख्यालय को समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत सर्वे 2.0 में पात्रता का परीक्षण करते हुए अपात्र लाभार्थियों को हटाने की प्रक्रिया निर्धारित तिथि तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने मनरेगा योजनाओं की समीक्षा करते हुए श्रमिक और सामग्री अनुपात 60:40 बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवरों पर आजीविका गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित किया जाए और इसकी सूचना जिला मुख्यालय को दी जाए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आरएफ और सीआईएफ की उपलब्धता, लखपति दीदी योजना तथा आजीविका गतिविधियों के विस्तार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्राम स्तर से लेकर जनपद स्तर तक किसी भी योजना के क्रियान्वयन में अनियमितता पाई गई तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए हिमांशु जोशी, खंड विकास अधिकारी असित आनंद, आतिया परवीन, शेखर जोशी, सीआर आर्या, संजय गांधी, परियोजना अर्थशास्त्री शैलेंद्र श्रीवास्तव, डीपीएम रीप शुभांकर झा, डीटीई सौरभ सक्सेना, विपिन राणा सहित विकास खंडों के ब्लॉक मिशन मैनेजर एनआरएलएम और डीपीओ मनरेगा उपस्थित रहे।

राज्य में शीघ्र माल्टा मिशन शुरू होगा: धामी

मुख्यमंत्री ने किया उत्तराखंड माल्टा महोत्सव का शुभारंभ,दिल्ली में आयोजित होगा उत्तराखंड माल्टा महोत्सव

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजकीय उद्यान सर्किट हाउस गढ़ीकैंट में उत्तराखंड माल्टा महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य में माल्टा के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए माल्टा मिशन शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली में भी राज्य की ओर से माल्टा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती गीता पुष्कर धामी के साथ विभिन्न जनपदों के माल्टा एवं नींबू प्रजाति के फलों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर माल्टा एवं नींबू की खटाई सहित नींबू प्रजाति के फलों से बने विभिन्न उत्पादों का स्वाद भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माल्टा उत्तराखंड की पहचान एवं परंपरा से जुड़ा है। राज्य की आर्थिकी व समृद्धि को सशक्त करने में बागवानी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इन्हीं संभावनाओं को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने एप्पल मिशन व कीवी मिशन जैसी कई उल्लेखनीय शुरूआत की है। इसी तर्ज पर राज्य में माल्टा के उत्पादन को बढावा देने के लिए माल्टा मिशन की शुरूआत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के माल्टा की ब्रांडिंग व इसे बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार के द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य के हर जनपद में माल्टा महोत्सव का आयोजन इन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य के माल्टा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए दिल्ली में भी राज्य की ओर से माल्टा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में किसानों की आर्थिकी को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। खेती व बागवानी के क्षेत्र में समुचित प्रोत्साहन, नवाचार और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाई जा रही है। यह पहल पलायन रोकने और युवाओं को अपने गांव के पास ही रोजगार देने में गेम चेंजर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय विशिष्टताओं के अनुरूप उपयुक्त खेती और बागवानी को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में माल्टा, सेब, नाशपाती, कीवी, अखरोट, आड़ू और नींबू वर्गीय फलों के बागान स्थापित करने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। फसल आधारित क्लस्टर विकसित कर उत्पादन और विपणन को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य में माल्टा व गलगल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। सरकार द्वारा बागान लगाने पर 50 प्रतिशत अनुदान, सूक्ष्म सिंचाई पर 70 से 80 प्रतिशत अनुदान तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। सेलाकुई में सुगंधित पौधों के लिए स्थापित केंद्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महक क्रांति की शुरूआत कर राज्य में सुगंधित पौधों की खेती को भी व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने माल्टा महोत्सव में प्रतिभाग करने आए पौड़ी गढ़वाल के माल्टा उत्पादक श्री हरीश के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने 53 प्रजातियों के लगभग एक हजार पौधे रोपित किए हैं तथा इस बार भी 200 पौधे रोपित करने की तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अन्य किसानों को इनसे प्रेरणा लेकर बागवानी के क्षेत्र में विद्यमान संभावनाओं को साकार करने में सरकार के प्रयासों को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि माल्टा जैसे स्थानीय फलों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा देने से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महोत्सव किसानों को नए बाजारों से जोड़ने के साथ-साथ स्वरोजगार के नए अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले पाँच वर्षों में उत्तराखंड औद्यानिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि माल्टा जैसे स्थानीय फलों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को प्रोत्साहित कर इसका सीधा लाभ प्रदेश के किसान भाइयों तक पहुँचाया जाए और यह महोत्सव इन्हीं प्रयासों का सशक्त प्रमाण है। कार्यक्रम में सांसद नरेश बंसल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, दायित्वधारी कैलाश पंत, प्रताप सिंह पंवार तथा सचिव कृषि डॉ. एस.एन. पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं विभिन्न जनपदों से आए किसान भी उपस्थित रहे।

किस्मत का खोल देते ताला जी,मेहंदीपुर वाले मेरे बालाजी...

पूर्णमासी के उपलक्ष्य में श्री नीलकंठ मंदिर में सजा श्री बालाजी दरबार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। पूर्णमासी के उपलक्ष्य में श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार आदर्श कॉलोनी स्थित श्री नीलकंठ मंदिर पर सजाया गया। दरबार में सर्वप्रथम ज्योत प्रज्जवलित कर श्री गणेश वंदना,श्री राम स्तुति, हनुमान चालीसा, श्री बालाजी महाराज, श्री भैरवनाथ और श्री प्रेतराज की आरती के साथ शुरू हुए दरबार में माता रानी, भोलेनाथ बालाजी महाराज के सुंदर-सुंदर भजन का गुणगान कर उपस्थित भक्तों को झूमने नाचने पर मजबूर कर दिया। दरबार में सुमित वार्ष्णेय ने एक बार तो हाथ उठाओ मेरे हनुमान के लिए ,किस्मत का खोल देते ताला जी, मेंहदीपुर वाले मेरे बाला जी, विनीत अरोरा ने नाता जोड़ लिया लिया प्रभु से,हे दुख भंजन,मारुति नंदन,वंशिका मनोचा ने नी मैं माई नु मनावन चलियाँ ,माँ ने धरा रूप विकरालआदि भजन गाकर भक्तों को खूब झूमने पर मजबूर कर दिया।दरबार के बीच में महंत विकास शर्मा पर आई शक्तियों एवं दूत महाराज से भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त कर सुख शांति की कामना की। दरबार में बाबा भक्त सचिन खुराना की धर्मपत्नी नीलू खुराना के जन्म दिन के उपलक्ष्य में केक काटकर बाबा का आशीर्वाद लिया गया।दरबार में अमित अरोड़ा बॉबी, सचिन खुराना, विवेक दीप सिंह, जगदीश बठला, चिराग कालडा, पम्मी सुखीजा, सुमित वार्ष्णेय, प्रियांशु ,संदीप मनोचा,ललित नारंग, हरजीत राठी, पवन रंगीला, समीर गौड, मोहित अरोड़ा,दीपक शर्मा, राजीव मनोचा,रोहित मदान, मुकेश शर्मा,अमन खुराना, राघव बठला, सोनू, संदीप वाल्मीकि, गुड्डू,पूनम मदान, काव्य बठला,अर्पणा शर्मा,सुमन मनोचा, अनीता मनोचा, श्वेता, प्रिया मनोचा, सीमा रानी सहित सहित सैकड़ो की संख्या में भक्त भक्तानिया मौजूद थी।

शिव मंदिर समिति ने वितरित किया कढ़ी-चावल का भंडारा

गूलरभोज(उद संवाददाता)।शिव मंदिर रेलवे फाटक के पास शिव मंदिर समिति के उपाध्यक्ष मनोज सिडाना द्वारा श्याम बाबा के प्रसाद स्वरूप कढ़ी-चावल का भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे का आयोजन अब से हर महीने नियमित रूप से मंदिर में किया जाएगा।मंदिर समिति ने प्रसाद वितरण में भी पूर्ण सहयोग प्रदान

किया। इस अवसर पर अशोक सिडाना, राजीव कुमार गुप्ता, महेंद्र सिंह पानू, सतीश चुग, डॉ. कुलदीप रघुवंशी, दीपक सीडाना, अजय सीडाना, अमित कुमार गुप्ता, लक्ष्मण गिरि, बलदेव राज, बाबूराम, पिंटू, रमेश पानू, संजीव कुमार गुप्ता, हरीश छाबड़ा, विजय गुंबर, विशाल कुमार और सुखविंदर सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।समिति ने बताया कि इस प्रकार के भंडारे समाज में भाईचारे और धार्मिक श्रद्धा को बढ़ावा देते हैं और इसका आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा।

एसएसपी की पहल से खोए मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिले

पुलिस ने 25 लाख कीमत के 110 मोबाइल खोजकर लौटाए

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।नव वर्ष के अवसर पर ऊधम सिंह नगर पुलिस ने सराहनीय पहल करते हुए खोए हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में एसओजी और सर्विलांस टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से लगभग 25 लाख रुपये मूल्य के 110 मोबाइल फोन बरामद किए, जिन्हें शनिवार को पुलिस कार्यालय रुद्रपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबंधित लोगों को सौंपा गया। जब लोगों को अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिले तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कई नागरिकों ने बताया कि उन्होंने मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की मेहनत से उन्हें उनका फोन मिल सका। फोन पाकर लोगों ने ऊधम सिंह नगर पुलिस का आभार जताया और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन की सेवा करना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जानकारियों और महत्वपूर्ण यादों का माध्यम है। पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर इन मोबाइलों को ट्रैक किया और उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाया। उन्होंने इसे नव वर्ष पर जनता के लिए पुलिस की ओर से एक छोटा सा उपहार बताया। एसएसपी ने आमजन से अपील की कि वे अपने मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान के प्रति सतर्क रहें। साथ ही यदि किसी का मोबाइल खो जाता है तो तत्काल संबंधित थाने में सूचना दें, ताकि समय रहते उसकी तलाश और बरामदगी की कार्रवाई की जा सके।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

भारत होगा आशावादी बाजार!

इन दिनों प्रकाशित हो रही दुनिया के उपभोक्ता बाजारों से संबंधित रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वर्ष 2026 में भारत बढ़ी हुई विकास दर, सस्ते कर्ज, महंगाई में कमी, कर सुधार और बढ़ी हुई क्रय शक्ति से दुनिया के सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में उभरकर दिखाई दे सकता है। हाल ही में वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी की 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता मौजूदा आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक संघर्षों से अप्रभावित हैं और भारत दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार है। जहां वर्ष 2025 में सकल घेरलू उत्पाद (जीडीपी) की मजबूत वृद्धि से भारत में उपभोक्ताओं की धारणा में पूरे वर्ष स्थिर गति देखी गई, वहीं अब 2026 में देश लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखने वाले 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं के साथ सबसे आशावादी बाजारों में से एक बना हुआ है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक भारत से आने वाले सैलानी सिंगापुर में सबसे ज्यादा खर्च करने वाले लग्जरी ग्राहकों में शामिल हैं। गौरतलब है कि नए वर्ष 2026 में भारतीयों को महंगाई घटने और ब्याज दरों में कमी से खरीददारी में नई शक्ति मिलती हुई दिखाई देगी पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में की गई कटौती के बाद रेपो रेट अब 5.25 प्रतिशत हो गई है। इस समीक्षा बैठक में कहा गया है कि देश में इस समय महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर 2.2 फीसदी पर है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान 7.3 फीसदी है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार पकड़ रही है और आगे भी यही रुझान बना रहने की पूरी उम्मीद है। साथ ही रिजर्व बैंक ने जनवरी 2026 में बैंकिंग सिस्टम में पैसों की कमी को दूर करने, नकदी लंबे समय तक बनाए रखने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए डालना सुनिश्चित किया है। रिजर्व बैंक के द्वारा 5 दिसंबर को ब्याज दरों में कटौती के मद्देनजर रेपो रेट में 25 आधार अंक की जो कटौती की गई है, उसका लाभ बैंकों के द्वारा विभिन्न वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचाया जाना शुरू हो गया है। ऐसे में तेजी से आगे बढ़ रहे सुकूनदेह आर्थिक परिदृश्य के मद्देनजर आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मार्च 2026 में रेपो रेट में कमी की संभावना भी उभरकर दिखाई दे रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वर्ष 2026 में महंगाई में कमी रहने की संभावना से देश का उपभोक्ता बाजार मजबूत होगा। निःसंदेह रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दर और घटाए जाने की संभावना का एक खास कारण महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण भी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से 12 दिसंबर को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा महंगाई नवंबर, 2025 में 0.71 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। अक्टूबर में यह 0.25 फीसदी रही थी। इस वृद्धि के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के नीचे रही। साथ ही, यह लगातार दूसरा महीना है, जब यह एक फीसदी से भी कम रही। इससे पहले खुदरा महंगाई सितंबर में एक फीसदी से अधिक यानी 1.44 फीसदी रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। वर्ष 2024-25 में देश में 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। भारत के आर्थिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रामीण भारत से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। इन रिपोर्टों में यह बताया जा रहा है कि गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय जब अमेरिका और यूरोप सहित पूरी दुनिया के कई देशों में महंगाई आर्थिक-सामाजिक चिंता का कारण बन गई है, तब भारत पूरी दुनिया के लिए एक ऐसी नजीर बन गया है।

अंकिता को न्याय के लिए निकाला कैंडल मार्च

रामनगर। अंकिता भंडारी मर्डर केस एक बार फिर उत्तराखंड में सुर्खियों में है। जैसे-जैसे इस जघन्य हत्याकांड में नए खुलासे हो रहे हैं, प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन भी तेज हो रहे हैं। इसी क्रम में रामनगर क्षेत्र अंतर्गत पीरूमदारा में क्षेत्रवासियों का जनसैलाब सड़कों पर उतर आया। पीरूमदारा में महिलाओं, बच्चों और युवतियों ने ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च किसान इंटर कॉलेज से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए पीरूमदारा बाजार तक गया। प्रतिभागियों ने मोमबत्तियां जलाकर "अंकिता को न्याय दो" जैसे नारे लगाए और सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। कैंडल मार्च को संबोधित करते हुए संजय नेगी और मंजू नेगी ने आरोप लगाया कि हत्याकांड में बड़े और प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आ चुके हैं, लेकिन सरकार उन्हें संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की चुप्पी यह दर्शाती है कि वह सच्चाई सामने आने से डर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार और संबंधित लोग निर्दोष हैं, तो सीबीआई जांच से क्यों डर रही है। प्रतिभागियों ने एक स्वर में मांग की कि अंकिता भंडारी को न्याय मिले और इस जघन्य अपराध में शामिल सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा।

बहुउद्देश्यीय शिविरों में दर्ज हुई 52 शिकायतें

बागेश्वर (उद संवाददाता)।प्रदेश सरकार की पहल पर आमजन से सीधे संवाद और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जनपद बागेश्वर की गागरीगोल और सनेती न्याय पंचायतों में बहुउद्देश्यीय जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता करते हुए अपनी समस्याएं दर्ज कराईं और विभिन्न जन कल्याण कारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।दोनों शिविरों में कुल 52 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 25 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि अब तक आयोजित शिविरों में 920 से अधिक लोग सहभागिता कर चुके हैं और उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है।राजकीय इंटर कॉलेज गागरीगोल में आयोजित शिविर की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने की। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या और स्थानीय विधायक पार्वती दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने शिविर में आए लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कार्यक्रम को संबोधित किया।जिला पंचायत अध्यक्ष और विधायक ने कहा कि सरकार आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनने और जनभावनाओं के अनुरूप समाधान सुनिश्चित करने के लिए इस महत्वाकांक्षी अभियान का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर पारदर्शिता बढ़ाना तथा सरकारी सेवाओं का समयबद्ध और प्रभावी वितरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि किसी भी व्यक्ति को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी शिकायत के निस्तारण में लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान किया गया या बार-बार बुलाया गया तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि आमजन के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।वहीं प्राथमिक विद्यालय सनेती में आयोजित शिविर की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी ने की। शिविर के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन पर संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करते हुए समाधान और मार्गदर्शन प्रदान किया।दोनों शिविरों में राजस्व, विकास, समाज कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र लाभार्थियों के आवेदन भी प्राप्त किए गए।

वैश्विक पर्यावरण संकट और उसका समाधान

ok;| çn"k.k dk jkduk vkj ikfjfLFkfrd r= dk cpkuk vkj iutÊfor djuk t:jh

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किए गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताडिघ्त किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं, किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान् वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म इंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है।

ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता ही जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैवविविधता पर भी बुरा असर पडने वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40 प्रतिशत भूभाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जन धन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। खास कर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी, जिसके लिए कार्बनमुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुडना होगा। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हाइड्रो काईनैटीक ऊर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोडना पड़ेगा।अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए 'यूज एंड थ्रो' उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किए जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियां तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए विकसित करना पड़ेगा। समस्याएं तो आती ही रहेंगी, किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

-कुलभूषण उपमन्यु

वायरल वीडियो के मामले का एसएसपी ने लिया संज्ञान, आरोपी हिरासत में

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। महिला सुरक्षा के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टी.सी. ने सोशल मीडिया पर महिलाओं के प्रति अभद्र आचरण के एक मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, फेसबुक पर प्रसारित एक लाइव वीडियो में रक्षित शर्मा नामक व्यक्ति वाहन चलाते हुए राह चलते महिलाओं पर गाली-गलौच और अश्लील टिप्पणियां करता नजर आया। वीडियो वायरल होते हीँ च नैनीताल ने इसका तुरंत संज्ञान लिया और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी विजय मेहता को आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आदेश दिया। निर्देशों के

अनुपालन में कोतवाली हल्द्वानी पुलिस ने रक्षित शर्मा, पुत्र ललित शर्मा, निवासी दमुवाढूगा के खिलाफ एफआईआर संख्या 4/26 के तहत धारा 296 बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया। आरोपी को धारा 172 बीएनएस के तहत पुलिस हिरासत में लिया गया है। एसएसपी ने कहा कि जनपद पुलिस महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया या सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा, अश्लील टिप्पणियां या आपत्तिजनक आचरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल और सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया पर वायरल इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई का उद्देश्य न केवल अपराधियों को चेतावनी देना है, बल्कि समाज में महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता और विश्वास भी बढ़ाना है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बुक कीपर्स को टैबलेट वितरित

बैठक में सामुदायिक लघु वित्त अभिलेख अद्यतन, लखपति दीदी योजना और निधि उपयोग पर निर्देश

भीमताल (उद संवाददाता)। शनिवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत विकास भवन में सभी बीएमएम, आईपीआरपी और बुक कीपर्स की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी विकास खंडों से कुल 30 बुक कीपर्स उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता सहायक परियोजना निदेशक डीआरडीए ने की। बैठक में स्वयं सहायता समूह स्वयं सहायता संगठन और सामुदायिक लघु वित्त संस्थाओं के अभिलेख और कार्यवृत्त के मुख्य बिंदुओं की जानकारी दी गई। विभिन्न विकास खंडों के क्लस्टरों पर विस्तार से चर्चा की गई और लखपति दीदी बनाने हेतु कार्ययोजना पर मार्गदर्शन दिया गया। जनपद में कुल 42 सीएलएफ हैं, प्रत्येक सीएलएफ से पांच सफलता की कहानी भेजने और सीएलएफ स्तर पर आजीविका गतिविधियों का रिकॉर्ड

अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएलएफ कार्यालय के लिए फर्नीचर खरीदने, सामुदायिक निवेश निधि का नियमानुसार उपयोग करने, आजीविका हेतु सामुदायिक क्रेडिट लाइन ऋण का शत-प्रतिशत प्रयोग और लंबित राशि का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही गैर-निष्पादित खाते को शीघ्र संचालित करने और खाद्य एवं अनाज निधि, आजीविका निधि जैसी निधियों के सही उपयोग पर भी चर्चा हुई। विशेष रूप से बैठक में योजना अंतर्गत ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि कार्य को सुचारू बनाने के लिए 30 बुक कीपर्स को टैबलेट वितरित किए गए। ये टैबलेट ब्लॉक के माध्यम से बुक कीपर्स तक पहुँचाए जाएंगे, जिससे सभी अभिलेख डिजिटल माध्यम से अद्यतन किए जा सकेंगे।

स्त्री सत्संग सभा ने संगत का जताया आभार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। रूद्रपुर के गोल मार्केट स्थित गुरूद्वारा श्री सिंह सभा में गुरू गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर बीते दिनों प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने भाग लिया और पर्व को भव्य रूप से मनाया। स्त्री सत्संग सभा की प्रधान बी वी परमजीत कौर पम्मी ने संगत को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभात फेरियों में संगत का सहयोग उत्साहवर्धक रहा। उन्होंने संगत को गुरू गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि आने वाले धार्मिक समागमों में भी संगत इसी तरह सहयोग करती रहेगी। परमजीत कौर ने कहा कि गुरू महाराज की कृपा संगत पर बनी रहे और सभी अपने जीवन में गुरु की शिक्षाओं का पालन करते हुए समाज में सद्भाव और भक्ति का प्रचार करें।

पदोन्नत पुलिस कर्मियों के कंधों पर लगे स्टार

रामनगर (उद संवाददाता)। कोतवाली में रविवार को एक औपचारिक समारोह में पांच पुलिस कर्मचारियों को पदोन्नति मिलने के बाद उनके कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीओ सुमित पांडे और कोतवाल सुशील कुमार ने की। सीओ सुमित पांडे ने बताया कि कोतवाली में तैनात नसीम अहमद, तालिब हुसैन, प्रकाश चंद्र सनवाल, सुभाष चौधरी और को पेशी में तैनात महिमन कुमार को पदोन्नति मिलने के उपलक्ष्य में उनके कंधों पर स्टार लगाए गए। उन्होंने कहा कि यह नई पदोन्नति न केवल कर्मचारियों के व्यक्तिगत करियर में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि यह जनता के प्रति उत्तराखंड पुलिस की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। सीओ ने पदोन्नत कर्मचारियों से अपेक्षा जताई कि वे उत्तराखंड मित्र पुलिस के मूल सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए जनता के बीच जाकर समस्याओं का समाधान

प्राथमिकता से करेंगे और पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम में कोतवाली के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी शामिल होकर पदोन्नत कर्मियों को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर उत्सव और खुशी का माहौल देखने को मिला। पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों ने भी कहा कि वे जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

सत्यापन अभियान से संदिग्धों को चिह्नित कर रही पुलिस

शत प्रतिशत सत्यापन अभियान की प्रक्रिया शुरु

सितारगंज (उद संवाददाता)। पुलिस ने शहर और देहात क्षेत्र में सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। सत्यापन अभियान के दौरान बाहरी क्षेत्र से आए लोगों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही उनके आपराधिक इतिहास भी खंगाला जाएगा। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में शत प्रतिशत आमजन का डोर टू डोर सत्यापन अभियान किया जा रहा हैं। इसके लिए खपुलिस की विभिन्न टीमें जुटी हुई हैं। सत्यापन अभियान के दौरान संदिग्धों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। बाहरी क्षेत्र से आए प्रवासी मजदूर, किरायेदारों का अपराधिक इतिहास देखा जाएगा। अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर उन पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किराएदारों व अन्य प्रवासी लोगों का शत प्रतिशत सत्यापन अभियान कराने की अपील की है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की हो सीबीआई जांच: ममता हाल्दार

गदरपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड ने प्रदेश में राजनीतिक चर्चा फिर से तेज कर दी है। कांग्रेस नेता ममता हालदार ने

राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। ममता हालदार ने कहा कि देवभूमि की बेटी अंकिता को न्याय दिलाने के लिए अब तक किए गए प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। ममता हालदार ने मुख्यमंत्री से अपील की कि इस संवेदनशील मामले को तुरंत सीबीआई जांच को सौंपा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक अंकिता के परिजनों को न्याय नहीं मिलता और दोषियों को कड़ी सजा नहीं होती, कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक नई चर्चा पैदा कर दी है।

अंजू भुड्डी भाजपा महिला मोर्चा की कुमाऊं संयोजक बनी

गदरपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड की राजनीति में एक और बड़ा बदलाव हुआ है, जब गदरपुर नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष और भाजपा महिला मोर्चा ऊधम सिंह नगर की पूर्व जिलाध्यक्ष अंजू भुड्डी को भाजपा महिला मोर्चा की कुमाऊँ संयोजक के रूप में नियुक्ति दी गई है। यह नियुक्ति भारतीय जनता पार्टी की ओर से की गई है, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। अंजू भुड्डी की नियुक्ति से कुमाऊँ क्षेत्र में भाजपा महिला मोर्चा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वह अपनी नई भूमिका में क्षेत्र की महिलाओं के लिए काम करेंगी और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ने का काम करेंगी। अंजू भुड्डी का अनुभव और नेतृत्व क्षमता उन्हें इस भूमिका में सफल बनाएगी। भाजपा ने

हाल ही में अपने पांच मोर्चों के पदाधिकारियों के नामों की सूची जारी की है, जिसमें महिला मोर्चा भी शामिल है। इस सूची में कई नए चेहरों को जगह दी गई है, जो पार्टी के लिए काम करेंगे। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में अंजू भुड्डी और अन्य पदाधिकारी क्षेत्र की महिलाओं के लिए काम करेंगे और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ेंगे। भाजपा महिला मोर्चा की कुमाऊँ संयोजक के रूप में अंजू भुड्डी का काम क्षेत्र की महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके अधिकारों के लिए काम करेंगी। इसके अलावा वह पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को क्षेत्र में लागू करने में मदद करेंगी। अंजू भुड्डी की नियुक्ति पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। उन्हें उम्मीद है कि अंजू भुड्डी अपनी नई भूमिका में सफलता प्राप्त करेंगी और क्षेत्र की महिलाओं के लिए काम करेंगी। इस नियुक्ति से कुमाऊँ क्षेत्र में भाजपा को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने दिया विकास योजनाओं के लिए 160.54 करोड़ का अनुमोदन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न जनपदों की सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों के चौडीकरण एवं मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने के प्रयासों में तेजी लाए जाने के साथ ही आपदा की दृष्टि से संवेदनशील जनपदों में संचार सुविधाओं के विकास आदि के लिए कुल 160.54 करोड का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नाबार्ड वित्त पोषण से सम्बन्धित विभिन्न जनपदों के अन्तर्गत सिंचाई विभाग की विभिन्न 16 योजनाओं की लागत ₹53.68 करोड़ की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।मुख्यमंत्री श्री धामी द्वारा जनपद उधम सिंह नगर की किच्छा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगला-किच्छा मोटर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-44) के कि.मी. 4.850 से कि.मी. 12.600 तक के हिस्से को दो लेन से चार लेन में बदलने की योजना के लिए 80.63 करोड़ की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने मानव वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम हेतु वन प्रभागों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने एवं अन्य सम्बन्धित क्रियाकलापों हेतु तात्कालिक रूप से 11.00 करोड़ की योजना राज्य आपदा मोचन निधि से स्वीकृत किये जाने के साथ ही आपदा के दृष्टिगत् संवेदनशील 05 जनपदों (पिथौरागढ़, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं बागेश्वर) में पुलिस संचार नेटवर्क को उच्चीकृत किये जाने हेतु 15.23 करोड़ की योजना राज्य आपदा मोचन निधि से स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

पेज एक का शेष...

कुंभ से पहले निगम क्षेत्र....

के मुताबिक राज्य की धामी सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार कर रही है। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम बताते है कि हर की पैड़ी और अन्य घाटों में गैर सनातन व्यक्ति के आने की मनाही है और ये आज की नहीं है अपितु सौ साल से भी अधिक समय से पहले से चली आ रही है। श्री गौतम कहते है कि हमारी सरकार से ये मांग रही है कुंभ क्षेत्र को या निगम क्षेत्र को पवित्र स्थान घोषित किया जाए क्योंकि ये कुंभ क्षेत्र सनातन की आस्था का सर्वोच्च स्थल है। यहां कुंभ महाकुंभ के अलावा, हर साल शिव भक्त करोड़ों की संख्या में कांवड़ लेने आते है। संक्रांति पूर्णमासी अमावस को लाखों सनातनियों के आस्था हरिद्वार की पावन गंगा से जुड़ी है इस लिए इसकी पवित्रता बनाए रखने की जरूरत है। पुष्कर सिंह धामी ,राज्य बनने के बाद पहले ऐसे सीएम है ,जिन्होंने देव भूमि उत्तराखंड के सनातन सांस्कृतिक स्वरूप को बनाए रखने की चिंता की है। वे अपने बयानों में हमेशा कहते रहे है कि उत्तराखंड के देव स्वरूप को हर हाल में बनाए रखा जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र....

भंडारी पहाड़ की बेटी थी और इस जघन्य हत्याकांड में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आना बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के कोटद्वार आगमन पर हमने शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया, काले झंडे दिखाए और उनकी गाड़ियों को रोका। प्रदेश सरकार लगातार इस मामले में सच्चाई छिपाने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, प्रदेशभर में आम जनता और राजनीतिक दल निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं और इस प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की अपील जोर पकड़ रही है। विरोध का स्वर यह है कि तब तक आंदोलन जारी रहेगा, जब तक मामले में संलिप्त सभी जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती।

ताबीज का झांसा देकर दिल्ली.....

पर हरिद्वार में भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है और जांच के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षा और कानूनी मदद देने का आश्वासन दिया है। इस मामले ने महिलाओं की सुरक्षा और मानसिक शोषण के खिलाफ संवेदनशीलता को फिर से केंद्र में ला दिया है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड, रूद्रपुर, ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

एनएच परियोजनाओं को लेकर केंद्र से शीघ्र मिलेंगे धामी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से प्रस्तावित बैठक की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री के बीच विस्तृत चर्चा

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शीघ्र ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट करेंगे। इस प्रस्तावित बैठक में राज्य की कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक की तैयारियों के सिलसिले में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा के बीच विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के साथ होने वाली बैठक में ऋषिकेश बाईपास, अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट मार्ग, ज्योलिकोट-खैरना-गैरसैंण-कर्णप्रयाग मार्ग तथा अल्मोड़ा-बागेश्वर -काण्डा-उडियारी बैंड मार्ग से जुड़े प्रस्तावों को प्रमुखता से रखा जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित राज्य के अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी केंद्र का सहयोग मांगा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से उत्तराखण्ड का सड़क नेटवर्क मजबूत होगा और यातायात व्यवस्था अधिक सुगम बनेगी। विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क से आवागमन आसान होगा और दूरस्थ इलाकों को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क कनेक्टिविटी से चारधाम यात्रा, पर्यटन, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऋषिकेश बाईपास परियोजना के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय

राजमार्ग संख्या-07 के अंतर्गत तीनपानी से योगनगरी होते हुए खारास्रोत तक 12.67 किलोमीटर लंबाई में चार लेन बाईपास के निर्माण का प्रस्ताव है, जिसकी अनुमानित लागत 1161.27 करोड़ रुपये है। इस परियोजना में 4.876 किलोमीटर लंबाई में हाथी कॉरिडोर के लिए एलिवेटेड मार्ग, चंद्रभागा नदी पर 200 मीटर लंबा सेतु तथा रेलवे पोर्टल पर 76 मीटर लंबाई का रेलवे ओवरब्रिज शामिल है। इसके अतिरिक्त श्यामपुर रेलवे क्रॉसिंग पर भी 318 करोड़ रुपये की लागत से 76 मीटर लंबाई का रेलवे ओवरब्रिज प्रस्तावित है, जिससे नेपाली फार्म से ऋषिकेश नटराज चौक तक यातायात निर्बाध हो सकेगा। अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट मार्ग के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-309बी के 76 किलोमीटर लंबे हिस्से में लगभग 988 करोड़ रुपये की लागत से दो लेन चौड़ीकरण का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं ज्योलिकोट-खैरना-गैरसैंण-कर्णप्रयाग मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-109 के अंतर्गत 235 किलोमीटर लंबाई में दो लेन चौड़ीकरण के लिए संरेखण प्रस्ताव तैयार किया गया है।इसके अलावा अल्मोड़ा-बागेश्वर-काण्डा-उडियारी बैंड मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-309ए के अंतर्गत विभिन्न पैकेजों में कुल 84.04 किलोमीटर लंबाई में 1001.99 करोड़ रुपये की लागत से कार्य प्रस्तावित हैं। काण्डा से बागेश्वर खंड के लिए वन भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव को भारत सरकार की स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे इस परियोजना के शीघ्र शुरू होने का रास्ता साफ हुआ है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने प्रस्तावित परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में सड़क संपर्क सुविधाओं के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में सड़क कनेक्टिविटी विकास का आधार है और केंद्र सरकार राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाएगी।

महिला से हजारों की साईबर ठगी

गदरपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र की एक महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई, जिसमें ठगों ने उसे झांसे में लेकर अलग-अलग किस्तों में हजारों रुपये यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता ने इस संबंध में थाना गदरपुर में प्रार्थना-पत्र देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है घटना को दो माह बीत गए हैं पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही हैप्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या 7/9 पंजाबी कॉलोनी निवासी सोनम रानी पत्नी श्री नितिन को बीते दिनों टेलीग्राम ऐप के माध्यम से संपर्क किया गया। आरोप है कि ठगों ने पैसे लगाकर रकम दोगुनी करने का लालच दिया। उनके झांसे में आकर पीड़िता ने दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को अलग-अलग समय पर कई बार यूपीआई स्कैनर के माध्यम से धनराशि ट्रांसफर की। शिकायत के अनुसार, पहले चरण में 5,000 रुपये, उसके बाद 26,100 रुपये, फिर 58,600 रुपये अलग-अलग यूपीआई खातों में ट्रांसफर किए गए। इसके बाद ठगों द्वारा और धनराशि जमा कराने का दबाव बनाया गया, जिस पर पीड़िता को ठगी का आभास हुआ। पीड़िता द्वारा मामले की शिकायत एनसीआरपी (नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल) पर ऑनलाइन दर्ज कराई गई है, जिसकी शिकायत संख्या दर्ज है। साथ ही थाना गदरपुर में भी लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ठगी की गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की गई है। पीड़िता का कहना है कि यह पूरी घटना सुनियोजित साइबर ठगी का मामला है और आम नागरिकों को इस प्रकार के लालच से सावधान रहने की आवश्यकता है। पुलिस द्वारा मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है।

विधायक ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। विधानसभा क्षेत्र रुद्रपुर के विधायक शिव अरोरा ने शनिवार को ग्राम सभा भगवानपुर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। विधायक का स्थानीय लोगों द्वारा फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने दानपुर, किरतपुर, बागवाला और भगवानपुर कोलड़िया के एकमात्र शमशान घाट के सौंदर्यकरण और बाढ़ से सुरक्षा के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण का शिलान्यास किया। यह कार्य विधायक निधि से 9 लाख रुपये की राशि में किया जाएगा। शिलान्यास के अवसर पर नारियल फोड़ा गया। विधायक ने कहा कि भगवानपुर क्षेत्र का यह शमशान घाट पूर्ण रूप से व्यवस्थित और मुक्ति गृह के रूप में स्थापित किया

जाएगा और आगामी समय में कार्य पूरा होने के बाद यहाँ की स्थिति और बेहतर होगी। इसके अलावा, भगवानपुर कोलड़िया क्षेत्र में तारा गोड़ के घर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाली 5 लाख रुपये लागत वाली नई सीसी सड़क का लोकार्पण भी विधायक ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है और वह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि विकास कार्यों को हर क्षेत्र में पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जहाँ पहले मार्गों की स्थिति इतनी खराब थी कि वाहनों का संचालन मुश्किल था, अब वहां गाड़ियां सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सब कार्य जनता की भलाई और दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव हुआ है। इस अवसर पर मंडलअध्यक्ष जगदीश विश्वास, गुरबाज दुमरा, ग्राम प्रधान भगवानपुर विनीत सोलंकी, बागवाला प्रधान प्रमोद, दानपुर प्रधान मंदीप वर्मा, किरतपुर प्रधान आशीष यादव, पूर्व प्रधान विजेंद्र चौधरी, निर्मला सिंह, सुनीता साहनी,भरत धीमान, भरत मिश्रा, मन मोहन, पूजा रानी, कुदीप चंद, आर.के. शर्मा, राजेश तिवारी, राजीव शुक्ला, रविशंकर, कमलेश्वर जेटली, कमल जोशी, अजितेश, आयुष चिलाना, अभय सोलंकी,अजीत सोलंकी आदि मौजूद थे।

छेड़छाड़ व मारपीट में कांग्रेस-भाजपा नेताओं पर मुकदमे

संजय जुनेजा और बेहड़ सहित पांच कांग्रेसियों और भाजपा नेता राधेश शर्मा पर केस

रुद्रपुर। शहर के ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में शुक्रवार शाम हुई कहासुनी ने राजनीतिक रंग लेते हुए गंभीर कानूनी विवाद का रूप ले लिया। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। एक ओर महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष समेत कांग्रेस नेताओं पर पॉक्सो व मारपीट के आरोप लगे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता पर छेड़छाड़ व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। जगतपुरा निवासी पार्षद पति एवं भाजपा नेता राधेश शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष मोनिका ढाली, उनके पति समीर ढाली, पुत्र, कांग्रेस पार्षद सौरभ बेहड़ तथा व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के विरुद्ध पॉक्सो अधिनियम व मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। राधेश शर्मा का आरोप है कि उनके घर के पास कुछ लोग गालीगलौज कर रहे थे। समझाने पर उनके साथ हाथापाई की गई और बाद में चौकी में भी जानलेवा हमला किया गया।वहीं, दूसरे पक्ष से आजाद नगर, ट्रांजिट कैंप निवासी महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष मोनिका ढाली ने भी पुलिस को तहरीर दी है। उनका आरोप है कि उनका पुत्र बीच-बचाव कर रहा था, इसी दौरान भाजपा नेता राधेश शर्मा ने बिना पूरी जानकारी के उनके बेटे के साथ मारपीट की। बाद में जब वह मौके पर पहुंचीं तो उनके साथ अभद्रता, मारपीट और छेड़छाड़ की गई।पुलिस ने मोनिका ढाली की तहरीर पर भाजपा नेता राधेश शर्मा सहित एक अन्य के खिलाफ मारपीट, गालीगलौज व छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।ट्रांजिट कैंप थाना प्रभारी मोहन पांडे ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है और विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर धाराओं में संशोधन किया जा सकता है।सीओ प्रशांत कुमार ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सांसद भट्ट ने संसदीय क्षेत्र के लोगों की समस्याएँ सुनी

हल्द्वानी। शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और नैनीताल-उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने बच्ची नगर स्थित अपने आवास में संसदीय क्षेत्र की विभिन्न विधानसभाओं से आए पार्टी पदाधिकारियों और आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनी।इस अवसर पर नागरिकों ने सड़क, बिजली, पेयजल, चिकित्सा और स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों

से जुड़ी समस्याएँ सांसद के समक्ष रखी। सांसद अजय भट्ट ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।सांसद ने कहा कि जनसेवा उनकी प्राथमिकता है और हर स्तर पर जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी शिकायत का निस्तारण में विलंब न हो और आमजन को राहत तुरंत मिल सके।